888/878

दैनिक जागरण
18-06-2014
पृ० 11

पूसा को मिलेगा केंद्रीय विवि का दर्जा

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

बिहार में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय स्थापित करने का रास्ता साफ होने लगा है। पूसा को जल्द ही केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा मिल जाएगा। इसकी तैयारियां तेज कर दी गई हैं। राज्य में अपनी राजनीतिक पैठ मजबूत बनाने के लिए केंद्र की मोदी सरकार ने जबर्दस्त तत्परता दिखाई है।

केंद्रीय कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह की तत्परता से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के पूसा कृषि विश्वविद्यालय को केंद्रीय विवि का दर्जा मिलने की संभावना बढ़ गई है। इस संबंध में राज्य सरकार से समन्वय स्थापित करने के लिए कृषि मंत्रालय के अधिकारी सक्रिय हो गए हैं। कृषि मंत्री ने बताया कि देश में केंद्रीय कृषि विवि न होने से कुशल कृषि वैज्ञानिकों की भारी कमी है। इसे पूरा करने के लिए सरकार ने इस दिशा में प्रयास तेज कर दिया है। पूसा स्थित कृषि विवि को केंद्रीय विवि का दर्जा देने की प्रक्रिया सालों से चल रही है।

◆ कृषि मंत्री राधा मोहन सिंह की सक्रियता से आगे बढ़ी बात

पूर्ववर्ती सरकार और राज्य की नीतीश सरकार के बीच अच्छे रिश्तों के बावजूद बात नहीं बनी लेकिन अब सभी मुश्किलें हर हाल में दूर कर ली जाएंगी। पूसा के राजेंद्र कृषि विवि को उच्चीकृत कर केंद्रीय विवि बनाने के लिए नवंबर 2013 में ही राज्य सरकार व कृषि मंत्रालय के बीच सहमति बन गई थी। दोनों के बीच करार पत्र पर समझौता भी हो गया था। बावजूद इसके विवि स्थापित करने का काम आगे नहीं बढ़ पाया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के महानिदेशक डॉक्टर एस. अयप्पन ने बिहार सरकार के कृषि विभाग के प्रधान सचिव विवेक कुमार सिंह को पत्र लिखकर कार्यवाही आगे बढ़ाने का आग्रह किया है। सूत्रों के मुताबिक जिन अड़चनों के चलते केंद्रीय विवि नहीं खुल पाया है, उसमें राज्य सरकार की ओर से जिम्मेदारियां न लेना खास रहा है।

उत्तराखंड में हिमालयी तकनीक विवि खोलेगी केंद्र सरकार

◆ निजी विवि में गुणवत्ता को लेकर स्मृति ईरानी ने जताई चिंता

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : हिमालय संबंधी अध्ययन के लिए भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर का विश्वविद्यालय खुलेगा। केंद्रीय मानव संसाधन विकास (एचआरडी) मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने कहा है कि केंद्र सरकार यह विवि उत्तराखंड में खोलेगी। इसमें श्रेष्ठतम अध्यापकों की नियुक्ति के लिए भारत ही नहीं, विदेश से भी विशेषज्ञों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने साल के अंत तक एक राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय शुरू करने का एलान भी किया।

जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण की वजह से भारी नुकसान झेल रहे हिमालय को ले कर दीर्घकालिक तैयारी के तौर पर ईरानी ने इस विवि को शुरू करने की तैयारी की है। इसमें ना सिर्फ पर्याप्त संख्या में हिमालय संबंधी विषयों के जानकार तैयार होंगे, बल्कि यहां उच्च स्तरीय शोध भी हो सकेगा। अभी इस तरह का कोई संस्थान देश में नहीं है, जबकि हिमालय पर ना सिर्फ ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, बल्कि यहां उपलब्ध रहने वाली वनस्पतियों में भी भारी कमी आई है। केंद्रीय मंत्री ईरानी ने मंगलवार को राज्यों के उच्च शिक्षा सचिवों संग बैठक में इस विवि का एलान किया। भाजपा ने अपने चुनाव घोषणापत्र में हिमालय के विकास के लिए व्यापक तैयारियों का वादा किया था। इसी के तहत केंद्र सरकार हिमालयी तकनीक पर केंद्रीय विवि खोलने के साथ ही 'हिमालय पर राष्ट्रीय मिशन' व 'हिमालयन सस्टेनेबलिटी फंड' भी शुरू करेगी। स्मृति ईरानी ने बड़ी तादाद में खुल रहे निजी शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता पर चिंता जताते हुए राज्य सरकारों से इस पर कड़ी नजर रखने को कहा है। उन्होंने 'अपनी कालेज को जानो' अभियान चलाने की भी वकालत की, जिसके तहत सभी कालेजों के बारे में अधिकतम जानकारी वेबसाइट पर मुहैया करवाई जाए। ताकि छात्र सोच-समझ कर अपने करियर का फैसला कर सकें। केंद्रीय मंत्री ने बच्चों में विज्ञान को ले कर जिज्ञासा और दिलचस्पी बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय अविष्कार अभियान चलाने की जरूरत बताते हुए कहा, ऐसा अभियान चला कर स्कूली बच्चों में वैज्ञानिक सोच लाई जानी चाहिए। उन्होंने राज्यों को कहा कि वे शिक्षा का अधिकार के बारे में अपने अब तक के अनुभवों के आधार पर इसमें जरूरी बदलाव शुरू करें। ईरानी ने कहा, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि इस साल ही देश को राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय मिल सके। इसी तरह सरकार बड़ी संख्या में ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करने पर भी जोर देगी।

सुनीता गुप्ता 18/6/14
प्रभारी पत्रिका एवं समाचार पत्र अनुभाग

प्रतिलिपि :-

1. निदेशक कार्यालय
2. संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3. अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)
4. प्रभारी यू. एस. आई
5. प्रभारी कैटैट
6. प्रभारी पी. पी. आई.